Q. What do you mean by Interview method? Describe its merits and demerits.

Or,

Describe the value of interview as a tool of psychological research.

Ans :- साक्षात्कार एक शोध प्रविधि अनुसंधान उपकरण Research tool है। इसके द्वारा विभिन्न परिस्थितियों की आवश्यक सूचनाएँ प्राप्त किए जाते हैं। शोधकर्ता सूचनादाताओं से कुछ आवश्यक प्रश्न पूछता है और उनके द्वारा दिए गए उत्तरों के आधार पर data collection करता है। साक्षात्कार की परिभाषा Villers, Chaplin ने दिया है। मगर इन परिभाषाओं से साक्षात्कार का स्वरूप स्पष्ट नहीं होता पर Kerlinger (1978) ने साक्षात्कार का परिभाषा दिया और बताया कि "Interview is a face to face interpersonal role situation in which one person the interviewer asks a person being interviewed the respondent the questions designed to obtain answers pertinent to the purposes of the research problem."

साक्षात्कार आमने सामने की वह अन्तर्वैयक्तिक भूमिका परिस्थिति है जिसमें एक व्यक्ति साक्षात्कार लेनेवाला साक्षात्कार देनेवाला व्यक्ति उत्तरदाता से शोध समस्या के प्रयोजन अनुसार प्राप्त उत्तरों के उद्देश्य से निर्धारित प्रश्न पूछता है।

Scanned with CamScanner

कौंलतो जाती में साक्षात्कार

प्रविधि का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि जब समस्या आती है तो व्यक्ति की भावनाएँ, मनोवृतियाँ, प्रवृतियाँ का अध्ययन किस प्रकार किया जाए तो देखा गया कि साक्षात्कार विधि ही एक मात्र विधि थी कि इन सारे समस्याओं का समाधान हो सकता है। इस विधि का मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुसंधानकर्ता और सूचनादाता एक दूसरे के आमने सामने संबंध स्थापित कर वार्तालाप करके मनुष्य की भावनाएँ एवं मनोवृतियाँ का क्रमबद्ध अध्ययन कर सकता है। इस विधि के प्रयोग से सामाजिक विज्ञानों का अनुसंधान में ही संगत है क्योंकि सामाजिक अनुसंधानों का संबंध जीवित वस्तुओं से होता है।

साक्षात्कार व्यक्तिगत संपर्क के द्वारा सूचना एकत्रित करने एवं उन्हें लिखने की एक ऐसी क्रमबद्ध प्रविधि है जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति किसी विशिष्ट उद्देश्य को सामने रखकर परस्पर आमने सामने बैठकर बातचीत संवाद या उत्तर प्रति उत्तर करते हैं।

गुण Merits :→

इस विधि के निम्नलिखित गुण या महत्व है।

1) सभी प्रकार के सूचनाओं का संग्रह :→

इस विधि का मुख्य गुण यह है कि इस

विधि द्वारा आयः सभी प्रकार के सूचना का सीधे रूप से संबंधित व्यक्तियों संकलन संभव होता है। जैसे :→ शैक्षिक सूचना प्राप्त करना हो तो शिक्षा विभाग के व्यक्तियों से साक्षात्कार लिया जा सकता है।

② अमूर्त एवं अदृश्य घटनाओं का अध्ययन

इसका दूसरा गुण यह है कि इस विधि द्वारा अनेक घटनाओं का भी अध्ययन किया जाता है। जैसे :→ व्यक्ति धारणाएं, भावनाएं, संवेगों विचार आदि ऐसी अनेक अमूर्त घटनाएँ हैं जो कि हमारी क्रियाओं का संचालन एवं निर्धारित करती हैं। साक्षात्कार विधि द्वारा साक्षात्कारदाता से सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती हैं।

③ भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन :→

साक्षात्कार विधि द्वारा भूतकालीन घटनाओं एवं उनके प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है। क्योंकि मानव जीवन में इस प्रकार की अनेक घटनाएं एवं परिस्थितियाँ होती हैं जो काफी समय पूर्व ही घट चुकी होती हैं और उनकी पुनरावृत्ति संभव नहीं होता होता है। परन्तु सामाजिक जीवन के सम्पूर्ण अध्ययनों के लिए इन घटनाओं का अध्ययन आवश्यक हो सकता है तो ऐसी परिस्थिति में साक्षात्कार विधि ही उपयुक्त बचा जाता है।

(4) पुनरावृत्ति मनोवैज्ञानिक अध्ययन :-

हम जानते हैं कि व्यक्ति की अनेक धारणाएँ होती हैं विचार एवं उद्देश्य होते हैं जिनका आसानी से अध्ययन संभव नहीं है। परन्तु साक्षात्कार विधि द्वारा मनोवैज्ञानिक रीति से इन सबका अध्ययन अच्छी तरह से हो जाता है। साक्षात्कार करते समय साक्षात्कारकर्ता साक्षात्कारदाता के मानसिक भावों के उतार चढ़ाव का भी अध्ययन करता है। साथ ही उनके मनोवैज्ञानिक प्रश्न पूछकर उनके दिल की बात जो कि वह नहीं बताना चाहते उसे निकालने का भरसक प्रयास करता है और काफी सीमा तक सफल भी हो जाता है।

(5) पारस्परिक प्रेरणात्मक अध्ययन :-

इस विधि में कम से कम दो व्यक्ति तो आवश्यक होते हैं। इन दोनों के विचारों का आपस में आदान प्रदान होता है। ये दोनों एक दूसरे से प्रेरित एवं उत्साहित होती रहती हैं। परस्पर प्रेरणा से मिलने के कारण एक दूसरे के मन की बात जल्द प्रकट हो जाती है। परस्पर बातचीत से संबंधित विषय के नवीन पहलू सामने आते हैं जो कि अध्ययनों को एक नया मोड़ प्रदान करते हैं।

Scanned with CamScanner

विधि द्वारा प्रायः सभी प्रकार के सूचना या सीधे रूप से संबंधित व्यक्तियों संकलन संभव होता है। जैसे :→ शैक्षिक सूचना प्राप्त करना हो तो शिक्षा विभाग के व्यक्तियों से साक्षात्कार किया जा सकता है।

(2) अमूर्त एवं अदृश्य घटनाओं का अध्ययन

इसका दूसरा गुण यह है कि इस विधि द्वारा अनेक घटनाओं का भी अध्ययन किया जाता है। जैसे :→ व्यक्ति धारणाएं, भावनाएं, संवेगों विचार आदि जैसी अनेक अमूर्त घटनाएँ हैं जो कि हमारी क्रियाओं का संचालन एवं निर्धारण करती हैं। साक्षात्कार विधि द्वारा [illegible] साक्षात्कारदाता से सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती हैं।

(3) भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन :→

साक्षात्कार विधि द्वारा भूतकालीन घटनाओं एवं उनके प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है। क्योंकि मानव जीवन में इस प्रकार की अनेक घटनाएं एवं परिस्थितियाँ होती हैं जो काफी समय पूर्व ही घट चुकी होती हैं और उनकी पुनरावृत्ति संभव नहीं होता होता है। परन्तु सामाजिक जीवन के सम्पूर्ण अध्ययनों के लिए उन घटनाओं का अध्ययन आवश्यक हो सकता है तो ऐसी परिस्थिति में साक्षात्कार विधि ही [illegible] बना जाता है।

(4) <u>पुनरावृत्ति मनोवैज्ञानिक अध्ययन :-</u>

हम जानते हैं कि व्यक्ति की अनेक धारणाएँ होती हैं विचार एवं उद्देश्य होते हैं जिनका आसानी से अध्ययन संभव नहीं है। परन्तु साक्षात्कार विधि द्वारा मनोवैज्ञानिक रीति से इन सबका अध्ययन अच्छी तरह से हो जाता है। साक्षात्कार करते समय साक्षात्कारकर्ता साक्षात्कारदाता के मानसिक भावों के उतार चढ़ाव का भी अध्ययन करता है। साथ ही उनके मनोवैज्ञानिक प्रश्न पूछकर उनके दिल की बात जिसे कि वह नहीं बताना चाहते उसे निकालने का भरसक प्रयास करता है और काफी सीमा तक सफल भी हो जाता है।

(5) <u>पारस्परिक प्रेरणात्मक अध्ययन :-</u>

इस विधि में छात्र से छात्र की व्यक्ति की आवश्य होते हैं। इन दोनों के विचारों का आपस में आदान-प्रदान होता है। ये दोनों एक दूसरे से प्रेरित एवं उत्साहित होती रहती हैं। परस्पर प्रेरणा से मिलने के कारण एक दूसरे के ज्ञान की बात जल्द प्रकट हो जाती है। परस्पर बातचीत से संबंधित विषय के बारीक पहलू सामने आते हैं जो कि अध्यापकों को एक नया मोड़ प्रदान करते हैं।

Scanned with CamScanner

⑥ सूचनाओं का सत्यापन संभव :→

इस विधि द्वारा प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन संभव होता है। इसका मुख्य कारण है कि आपसी विचारों का स्वतंत्रता पूर्वक स्पष्टीकरण किया जाता है। क्योंकि प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त नहीं होता है। इसलिए प्राप्त सामग्री अधिक विश्वसनीय होता है।

दोष DEMERITS :→

इस विधि के अधिक गुण होते हुए भी अन्य विधि की भाँति निम्नलिखित दोष देखने को मिलता है।

① व्यक्तिगत पक्षपात :→

इस विधि का मुख्य दोष यह है कि इस विधि द्वारा व्यक्तिगत पक्षपात का समावेश होने की अधिक संभावना होती है। इसलिए सामग्री की विश्वसनीयता बराबर संदिग्ध रहती है। सूचनादाता तो अपने भाव एवं पक्षपात मिश्रित सूचना प्रदान करता है।

② साक्षात्कारदाता पर निर्भरता :→

इस विधि में हमें साक्षात्कारदाता पर पूर्ण रूप से निर्भर होना पड़ता है। इसमें तो पहली बात यह है कि साक्षात्कारदाता को साक्षात्कार के लिए राजी करना। यदि साक्षात्कारदाता साक्षात्कार के लिए राजी हो भी जाता

Scanned with CamScanner

है तो स्वतंत्र व्यक्ति कोई भी पक्ष रख सकता है। यदि किसी से भी प्रेम विवाह के बारे में पूछा जाए तो वह बताने में इनकार कर सकता है। इसलिए इस विधि का सबसे बड़ा दोष यह है कि साक्षात्कार के लिए साक्षात्कारदाता के [illegible] इच्छा पर निर्भर होना पड़ता है।

③ स्मरण शक्ति पर निर्भरता :→

इस विधि का एक दोष यह भी है कि इस विधि में पूर्ण रूप से साक्षात्कारकर्ता को अपनी स्मरण शक्ति पर निर्भर होना पड़ता है। क्योंकि साक्षात्कार होते समय साक्षात्कारकर्ता इस स्थिति में नहीं होता कि वह सभी सूचनाओं को नोट कर सके। वह साक्षात्कार समाप्त होने के बाद सूचनाओं को लिखता है। परन्तु इस स्थिति में कुछ महत्वपूर्ण बातों को भूल जाता है और गलत भी नोट कर लेता है जो निष्कर्ष में त्रुटि पैदा कर सकता है।

④ हीन भावना →

इस विधि का एक दोष यह है कि साक्षात्कार विधि में साक्षात्कारकर्ता में अक्सर हीन भावना आ जाती है क्योंकि साक्षात्कार के लिए अनेक व्यक्तियों के सामने जाना पड़ता है। और इस प्रक्रिया में व्यक्ति उससे तरह तरह के व्यवहार करते हैं। इन व्यवहार के नाते उसमें हीन भावना पनप जाती है-

Scanned with CamScanner

सही गणना का आधार सूचना संकलन पर पड़ता है। अनेक सूचनाओं का संकलन छोड़ देता है जो कि साक्षात्कार के लिए महत्वपूर्ण होता है।

(5) आग्रह रिपोर्ट :-

इस विधि का दोष यह है कि इसमें अनेक प्रकार का पक्षपात भावनाओं व्यक्तिगत विचारों के सम्मिलित होने के कारण साक्षात्कारकर्ता द्वारा लिखित लिखी गई रिपोर्ट में आग्रह की मात्रा अत्यधिक होती है।

(6) कुशल साक्षात्कारकर्ता का अभाव :-

साक्षात्कार विधि के लिए कुशल साक्षात्कारकर्ता की आवश्यकता होती है। साक्षात्कारकर्ता की उपयुक्त योग्यता होनी चाहिए। साथ ही एक मनोवैज्ञानिक भी होनी चाहिए। इन सब गुणों के होने पर ही साक्षात्कार में सफल हो सकता है अगर ऐसा नहीं होता है तो साक्षात्कार सफल नहीं होता है।

(7) अत्यधिक समय की आवश्यकता :-

इस विधि का सबसे बड़ा दोष यह है कि इस विधि में अधिक समय की आवश्यकता होती है। साक्षात्कारकर्ता को अनेक व्यक्तियों से साक्षात्कार करना पड़ता है। साक्षात्कारदाता के पास बहुत बार

Scanned with CamScanner

जाना पड़ता है और साक्षात्कार कर्ता
अपनी आवश्यकता, वाणि करने में अधिक
समय व्यतीत कर देता है। इस प्रकार विषय
में अधिक समय नष्ट करना पड़ता है।

(8) <u>भाषा की कठिनाई</u> :→
साक्षात्कार में, अक्सर कुछ सूचनादाता अपनी भाषा दोष के कारण साक्षात्कारकर्ता द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समुचित उत्तर नहीं दे पाते हैं। जैसे सूचनादाता हकलाना, तुतलाना आदि भाषा दोष से पीड़ित रहते हैं वे संकोच लज्जा तथा हीन भाव से पीड़ित रहते हैं। इसलिए ऐसे लोग सूचनादाता अपने विचारों को पूरी तरह से व्यक्त नहीं कर पाते हैं। ऐसा होने से साक्षात्कार का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है।

(9) <u>घबराहट</u> :→ साक्षात्कार के समय एक नया माहौल होता है एक नई परिस्थिति होती है। इसलिए कुछ सूचनादाता घबराहट के शिकार हो जाते है। प्रश्नों का सही उत्तर जानते हुए भी चुप रह जाते है या गलत उत्तर दे देते है। ऐसा होने से उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि प्रत्येक वस्तु में कुछ गुण के साथ साथ अवगुण भी होते हैं जो उसके महत्व को घटाती है।

Scanned with CamScanner